APRIL 2016 TO MARCH 2017

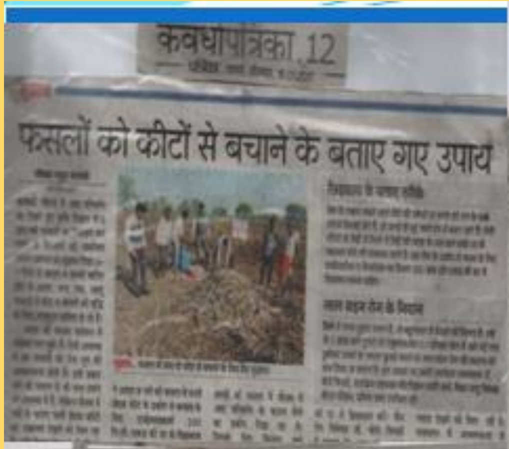

कवर्धापत्रिका.12

फसलों को कीटों से बचाने के बताए गए उपाय

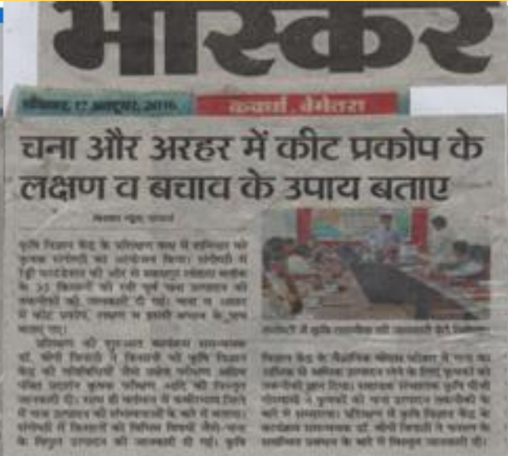

भास्कर

कवर्धा, बेमेतरा

चना और अरहर में कीट प्रकोप के लक्षण व बचाव के उपाय बताए

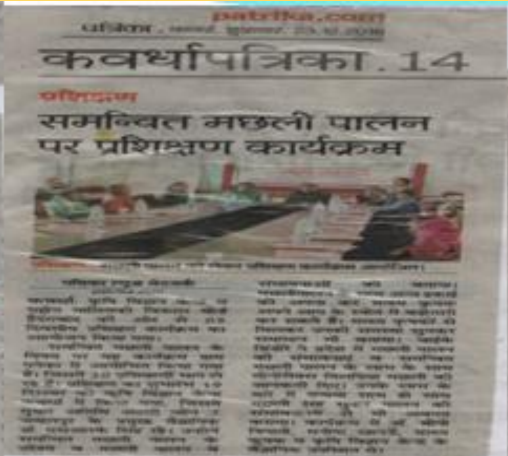

patrika.com

कवर्धापत्रिका.14

प्रशिक्षण

समन्वित मछली पालन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

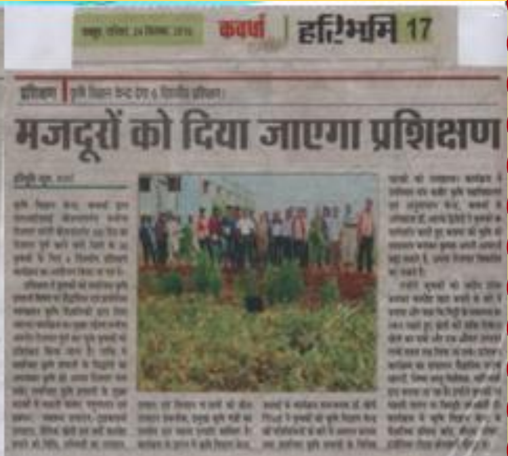

कवर्धा | हरिभूमि 17

प्रशिक्षण | कृषि विज्ञान केन्द्र देगा 6 दिवसीय प्रशिक्षण

मजदूरों को दिया जाएगा प्रशिक्षण

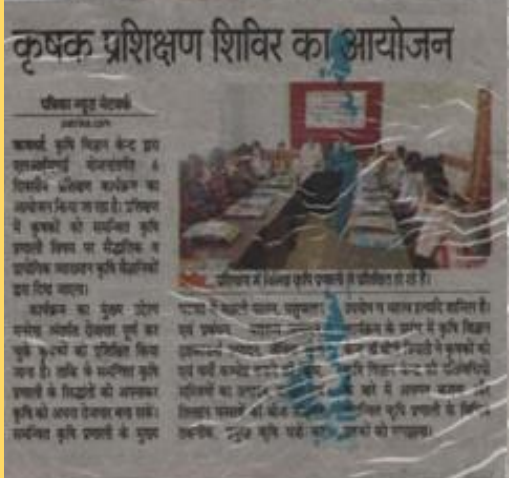

कृषक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

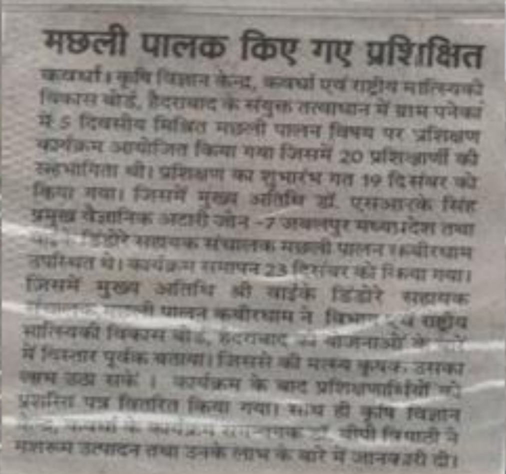

मछली पालक किए गए प्रशिक्षित

कवर्धा। कृषि विज्ञान केन्द्र, कवर्धा एवं राष्ट्रीय मात्स्यिकी विकास बोर्ड, हैदराबाद के संयुक्त तत्वाधान में ग्राम पनेका में 5 दिवसीय मिश्रित मछली पालन विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें 20 प्रशिक्षार्थी की सहभागिता थी। प्रशिक्षण का शुभारंभ गत 19 दिसंबर को किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि डॉ. एसआरके सिंह प्रमुख वैज्ञानिक अटारी जोन -7 जबलपुर मध्यप्रदेश तथा [illegible] डिंडोरे सहायक संचालक मछली पालन कबीरधाम उपस्थित थे। कार्यक्रम समापन 23 दिसंबर को किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि श्री वाईके डिंडोरे सहायक [illegible] मछली पालन कबीरधाम ने विभाग [illegible] राष्ट्रीय मात्स्यिकी विकास बोर्ड, हैदराबाद [illegible] योजनाओं [illegible] में विस्तार पूर्वक बताया। जिससे की मत्स्य कृषक उसका लाभ उठा सकें। कार्यक्रम के बाद प्रशिक्षणार्थियों को प्रशस्ति पत्र वितरित किया गया। साथ ही कृषि विज्ञान [illegible] समन्वयक डॉ. बीपी त्रिपाठी ने मशरूम उत्पादन तथा उनके लाभ के बारे में जानकारी दी।

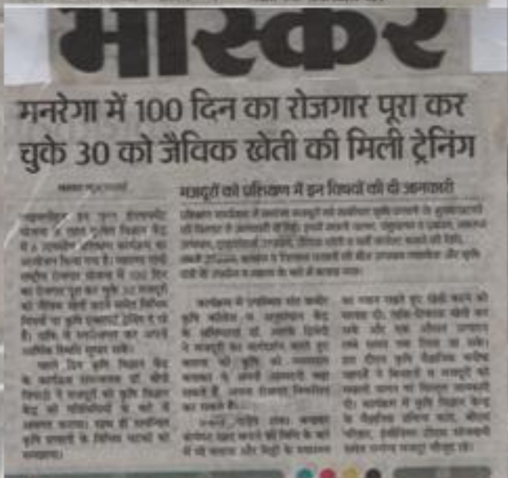

भास्कर

मनरेगा में 100 दिन का रोजगार पूरा कर चुके 30 को जैविक खेती की मिली ट्रेनिंग

मजदूरों को प्रशिक्षण में इन विषयों की दी जानकारी

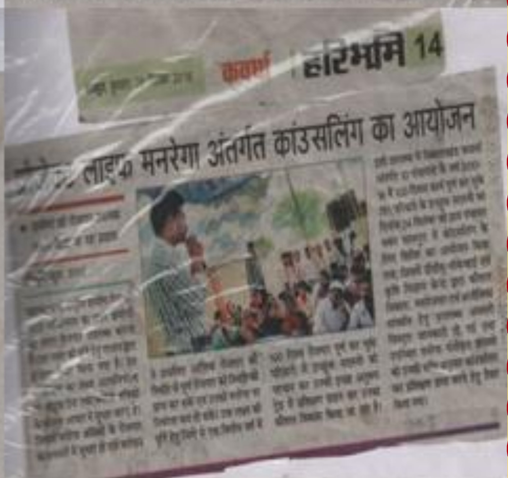

कवर्धा | हरिभूमि 14

मनरेगा अंतर्गत कांउसलिंग का आयोजन

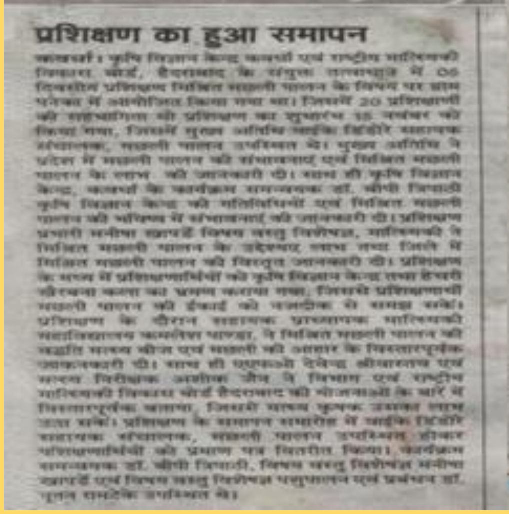

प्रशिक्षण का हुआ समापन

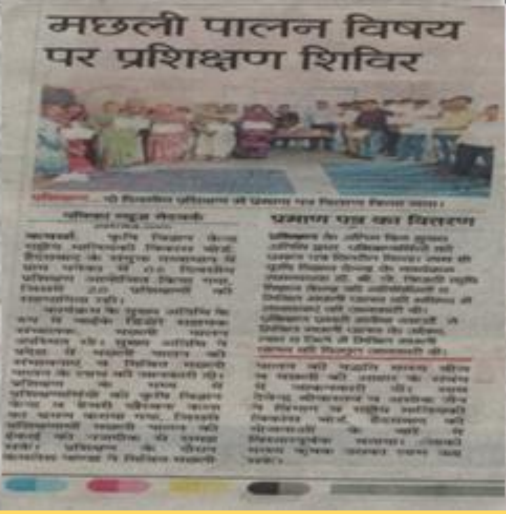

मछली पालन विषय पर प्रशिक्षण शिविर

प्रमाण पत्र का वितरण

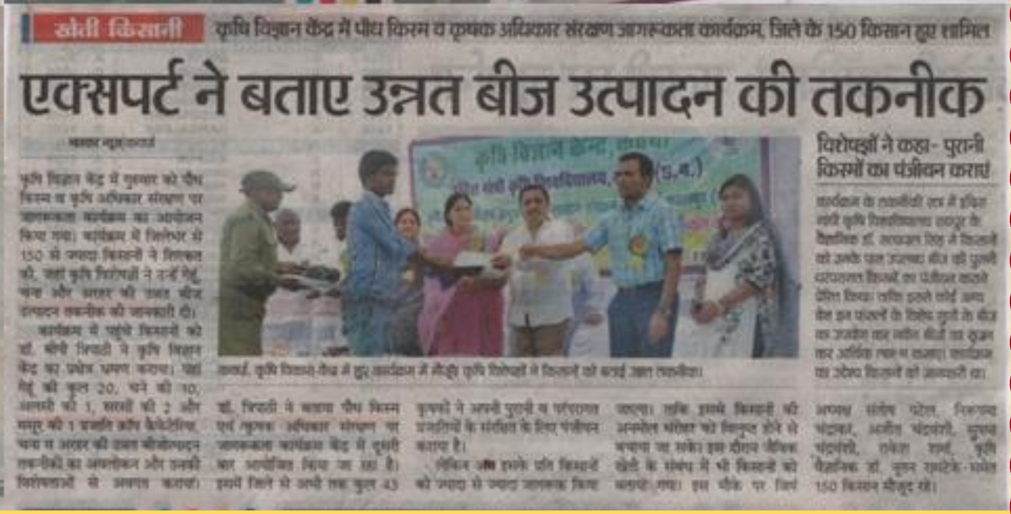

खेती किसानी

कृषि विज्ञान केंद्र में पौध किस्म व कृषक अधिकार संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम, जिले के 150 किसान हुए शामिल

एक्सपर्ट ने बताए उन्नत बीज उत्पादन की तकनीक

कृषि विज्ञान केंद्र में गुरुवार को पौध किस्म व कृषि अधिकार संरक्षण पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिलेभर से 150 से ज्यादा किसानों ने शिरकत की, जहां कृषि विशेषज्ञों ने उन्हें गेहूं, चना और अरहर की उन्नत बीज उत्पादन तकनीक की जानकारी दी।

विशेषज्ञों ने कहा- पुरानी किस्मों का पंजीयन कराएं

APRIL 2016 TO MARCH 2017

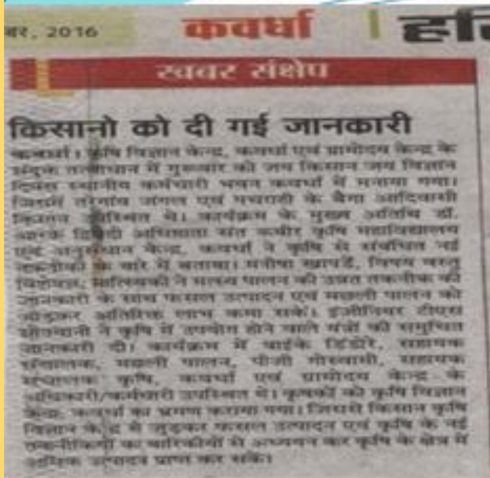

बर, 2016 कवर्धा

खबर संक्षेप

किसानो को दी गई जानकारी

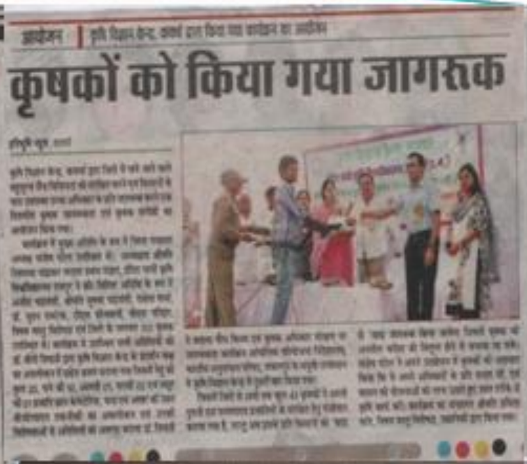

कृषकों को किया गया जागरूक

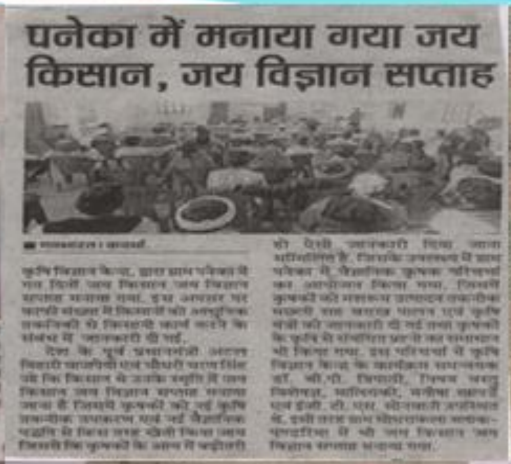

पनेका में मनाया गया जय किसान, जय विज्ञान सप्ताह

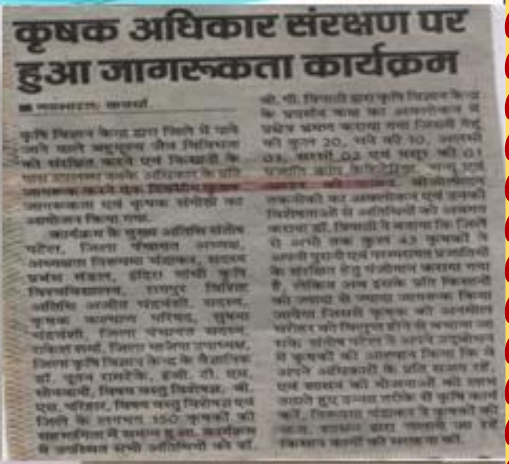

कृषक अधिकार संरक्षण पर हुआ जागरूकता कार्यक्रम

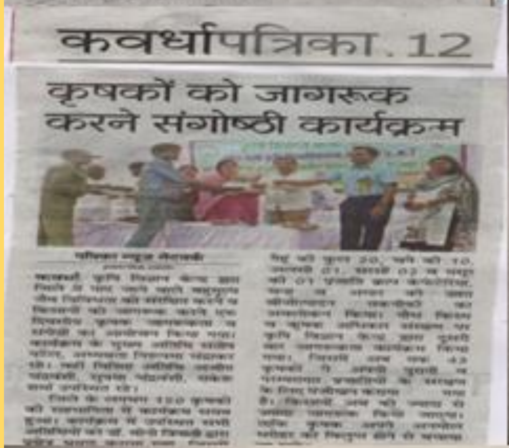

कवर्धापत्रिका . 12

कृषकों को जागरूक करने संगोष्ठी कार्यक्रम

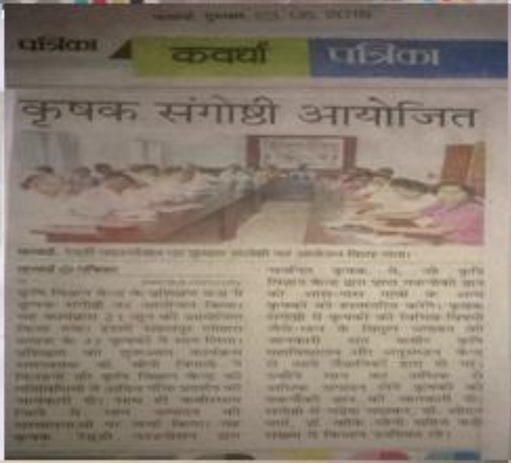

पत्रिका कवर्धा पत्रिका

कृषक संगोष्ठी आयोजित

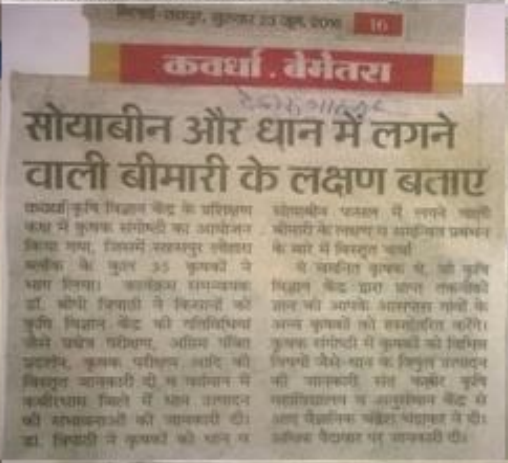

कवर्धा . बेमेतरा

सोयाबीन और धान में लगने वाली बीमारी के लक्षण बताए

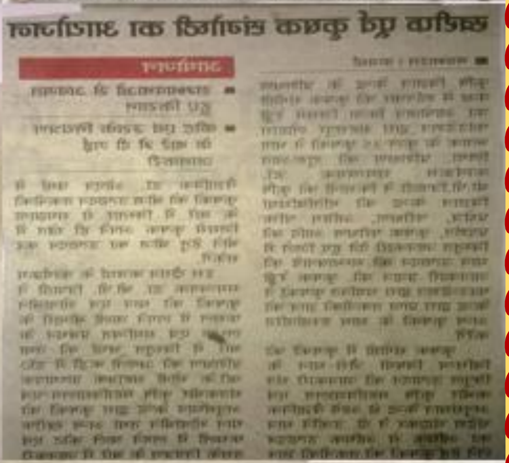

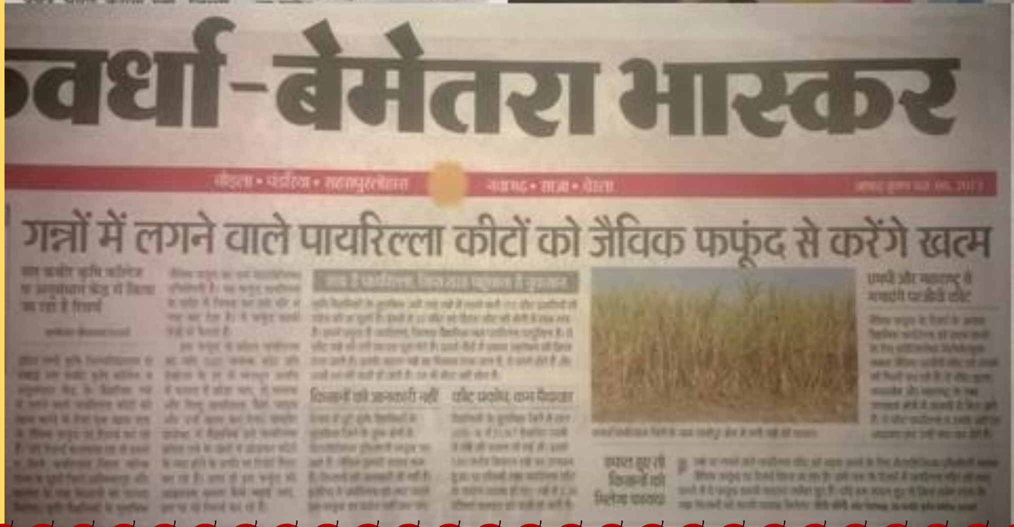

वर्धा-बेमेतरा भास्कर

गन्नों में लगने वाले पायरिल्ला कीटों को जैविक फफूंद से करेंगे खत्म

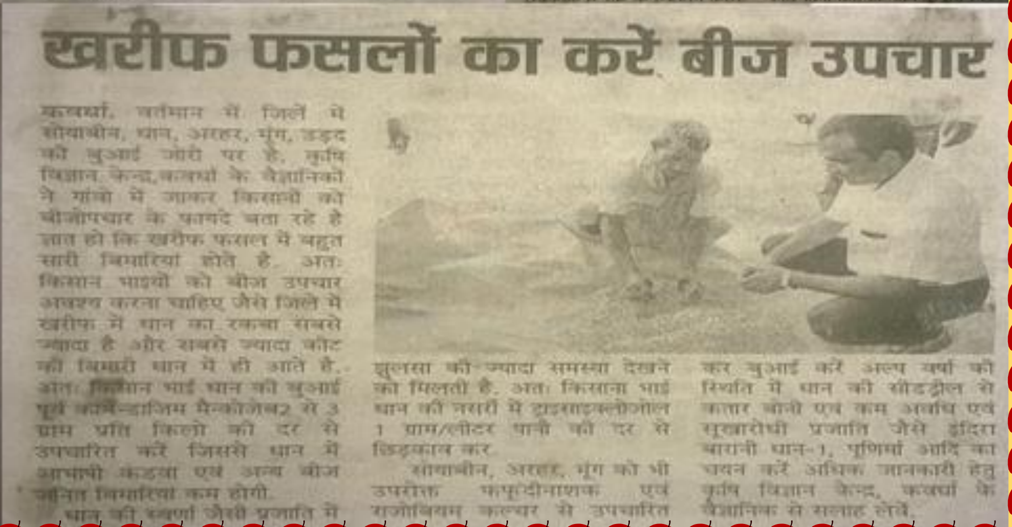

खरीफ फसलों का करें बीज उपचार

कवर्धा. वर्तमान में जिले में सोयाबीन, धान, अरहर, मूंग, उड़द की बुआई जोरों पर है. कृषि विज्ञान केन्द्र,कवर्धा के वैज्ञानिकों ने गांवों में जाकर किसानों को बीजोपचार के फायदे बता रहे है ज्ञात हो कि खरीफ फसल में बहुत सारी बिमारियां होते है. अतः किसान भाइयों को बीज उपचार अवश्य करना चाहिए जैसे जिले में खरीफ में धान का रकबा सबसे ज्यादा है और सबसे ज्यादा कीट की बिमारी धान में ही आते है. अतः किसान भाई धान की बुआई पूर्व कार्बेन्डाजिम मैन्कोजेब्र से 3 ग्राम प्रति किलो की दर से उपचारित करें जिससे धान में आभासी कंडवा एवं अन्य बीज जनित बिमारियां कम होगी.

धान की स्वर्णा जैसी प्रजाति में झुलसा की ज्यादा समस्या देखने को मिलती है. अतः किसाना भाई धान की नर्सरी में ट्राइसाइक्लोजोल 1 ग्राम/लीटर पानी की दर से छिड़काव कर.

सोयाबीन, अरहर, मूंग को भी उपरोक्त फफूंदीनाशक एवं राजोबियम कल्चर से उपचारित कर बुआई करें अल्प वर्षा की स्थिति में धान की सीडड्रील से कतार बोनी एवं कम अवधि एवं सूखारोधी प्रजाति जैसे इंदिरा बारानी धान-1, पूर्णिमा आदि का चयन करें अधिक जानकारी हेतु कृषि विज्ञान केन्द्र, कवर्धा के वैज्ञानिक से सलाह लेवे.